१८ : ईश्वर चन्द्र विद्यासागर

प्रश्नावली

प्रश्न 1. पढ़ो और बोलो :

(क)

ईश्वरचंद्र	विद्यासागर	मिदनापुर	युवक	सूटकेस
स्टेशन	पोशाक	कुर्ता	धोती	धन्यवाद
शर्म	भूल	चप्पल	जवाब	माफ़ी
सामान	विद्वान्	समाज	सुधारक	सादा
मौजूद	बैलगाड़ी	इज़्ज़त	समझ	स्वयं

(ख)

प्रसिद्ध-मशहूर	माफ़ी-क्षमा	पाठ-पाठक
सम्मान-आदर	खुद-स्वयं	विचार-विचारक
गुस्सा-क्रोध	अजीब-विचित्र	सुधार-सुधारक

प्रश्न 2. तालिका में से शब्द चुनकर वाक्य बनाओ

(क)

मैं	आज कल परसों	बाज़ार स्कूल अस्पताल चिड़ियाघर	गया।
मैं	आज कल परसों	बाज़ार स्कूल अस्पताल चिड़ियाघर	गई।

(ख)

मैं	आज	बाज़ार	गया था
हम	कल	स्कूल	
तुम	परसों	अस्पताल	
आप		चिड़ियाघर	गए थे

प्रश्न 3. नमूने के अनुसार शब्द बनाओ :

नमूनाः 1) प्रचार- (2) विचार – (3) उद्धार –

प्रश्न 4. नमूने के अनुसार वाक्य बदलो

नमूनाः मेरा नाम विद्यासागर है।

मैं ही विद्यासागर हूँ।

1. मेरा नाम मोहन है। ....
2. मेरा नाम शीला है। ....
3. मेरा नाम राघवन है। ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
4. मेरा नाम पीटर है। ....
5. मेरा नाम साधना है। ....

5. <u>तालिका के प्रत्येक भाग से एक-एक शब्द चुनकर वाक्य बनाओ</u>

मैं	आज	बाज़ार	गई थी
हम	कल	स्कूल	
तुम	परसों	हस्पताल	गई थी
आप		मंदिर	

प्रश्न 6. नमूने के अनुसार कोष्ठक में से शब्द चुनकर बाक्य पूरे करो

(क) नमूनाः

राम कुर्सी पर -----है। (बैठा)

राम कुर्सी पर बैठा है।

बैठा, बैठे, खड़े, लेटे, खड़ी

1. श्रीनिवास जी बिस्तर पर ----हैं।
2. माता जी कार के पास ---------- हैं।
3. बंदर छत पर ---------- हैं।
4. कुछ बच्चे भी वहाँ ------- हैं।
5. तुम यहाँ क्यों ------- हो?

(ख) <u>नमूनाः</u>

राघव अभी कमरे में बैठा है।

राघव पहले से कमरे में बैठा था।

1. वूटन इस समय दरवाज़े पर खड़ा है।.....

2. सना अभी कुर्सी पर बैठी है। .....

3. चंचल अभी चारपाई पर लेटा है। .....

4. अक्षय इस समय पेड़ के नीचे बैठा है। .....

5. घना अभी पेड़ के नीचे खड़ी है। .....

(ग) <u>नमूनाः</u>

गाड़ी प्लेटफार्म पर खड़ी होती है।

गाड़ी प्लेटफार्म पर खड़ी हुई है।

1. फूलवाली वहाँ खड़ी होती है। .....

2. सब्जीवाला गली में खड़ा होता है।.....

3. दूधवाला दरवाजे पर खड़ा होता है। .....

4. बस गली में खड़ी होती है।.....

5.रूपा लाइन में खड़ी होती है।.....

प्रश्न 7. कैलेंडर देखकर नमूने के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति करो

नमूनाः

पंद्रह तारीख को ... है।

पंद्रह तारीख को रविवार है।

1 बीस तारीख को ..... है।

2.....को एक तारीख है।

3 पच्चीस तारीख को..... हे।

4.....को तीस तारीख है।

5 दूसरा शनिवार ..... तारीख को है।

प्रश्न 8. प्रश्नों के उत्तर दो :

1. ईश्वरचंद्र विद्यासागर कौन थे?

2. कुली न देखकर युवक ने क्या कहा?

3. युवक का सामान उठाने वाला कौन था?

4. युवक पैसा देने लगा तो आदमी ने क्या कहा?

5. अंत में युवक को क्या सीख मिली?

उत्तर

उत्तर 1: छात्र स्वयं प्रयास करें।

उत्तर 2: (क) मैं कल स्कूल गया।

मैं आज अस्पताल गया।

मैं आज चिड़ियाघर गई।

मैं कल स्कूल गई।

(ख) हम कल चिड़ियाघर गए थे।

आप आज बाज़ार गए थे?

तुम परसों अस्पताल गए थे?

उत्तर 3: 1) प्रचारक 2) बिचारक 3) उद्धारक

उत्तर 4: 1) मैं ही मोहन हूँ ।

2) मैं ही शीला हूँ ।

3) मैं ही राघवन हूँ ।

4) मैं ही पीटर हूँ ।

5) मैं ही साधना हूँ ।

उत्तर 5:

1) मैं आज बाज़ार गई थी।
2) तुम आज बाजार गई थी।
3) तुम आज स्कूल गई थी।
4) तूम आज आस्पताल गई थी?
5) तुम आज बाजार गई थी।
6) मैं काल बाजार गई थी।
7) मैं आज स्कूल गई थी।
8) मैं आज हासपताल गई थी।
9) मैं आज बाजार गई थी।
10) मैं आज मंदिर गई थी।

उत्तर 6: (क) 1. श्रीनिवास जी बिस्तर पर लेटे हैं।

2. माता जी कार के पास खडी हैं।

3. बंदर छत पर बैठा हैं।

4. कुछ बच्चे भी वहाँ खडे हैं।

5. तुम यहाँ क्यों बैठे हो?

(ख) 1. वूटन पहले से दरवाज़े पर खड़ा था।

2. सना पहले से कुर्सी पर बैठी थी।

3. चंचल पहले से चापाई पर लेटा था।

4. अक्षय पहले से पेड़ के नीचे बैठा था।

5. घना पहले से पेड़ के नीचे खड़ी थी।

(ग) 1. फूलवाली वहाँ खड़ी हुई है।

2. सब्जीवाला गली में खड़ा हुई है।

3. दूधवाला दरवाजे पर खड़ा हुआ है।

4. बस गली में खड़ी हुई है।

5. रूपा लाइन में खड़ी हुई है।

उत्तर 7: 1. बीस तारीख को शुक्रवार है।

2. रविवार को एक तारीख है ।

3. पच्चीस तारीख को बुधवार है ।

4. सेमवार को तीस तारीख है

5. दूसरा शनिवार चौदह तारीख को है।

रविवार	1	8	15	22	29
सोमवार	2	9	16	23	30
मंगलवार	3	10	17	24	31

बुधवार	4	11	18	25
बृहस्पतिवार	5	12	19	26
शुक्रवार	6	13	20	27
शनिवार	7	14	21	28

उत्तर 8: 1. ईश्वरचंद्र विद्यासागर प्रसिद्ध विद्वान् और समाज सुधारक थे।

2. कुली न देखकर युवक ने कहा यह अजीब स्टेशन है। यहाँ एक भी कुली नहीं है।

3. युवक का समान उठाने वाला और कोई नहीं प्रसिद्ध विद्वान् और समाज सुधारक ईश्वरचंद्र विद्यासागर थे।

4. युवक पैसा देने लगा तो उस आदमी ने कहा कि मुझे पैसे नहीं चाहिए।

5. अंत में युवक को यही सीख मिली कि कोई भी काम बड़ा या छोटा नहीं होता ।